वियतनाम से एजेंट ऑरेंज की सफाई में यूएस मदद

करीब 50 साल पहले यूएस के फौजी विमानों ने वियतनाम के जंगलों को सुखाने के लिए एजेंट ऑरेंज नामक शाकनाशी का छिड़काव किया था। यह इस आधार पर किया गया था कि वियतनामी गुरिल्ले जंगलों के घनेपन की ओट में छिपे रहते हैं और यूएस फौज को उन्हें तलाश करने में परेशानी होती है। यह वह समय था जब यूएस वियतनाम पर वही अन्याय कर रहा था जो बाद में इराक में दोहराया गया।

एजेंट ऑरेंज के व्यापक छिड़काव के चलते वियतनाम में लाखों एकड़ जंगल सूख गया था। हालांकि जंगल तो वापिस हरा-भरा हो गया मगर एजेंट ऑरेंज का एक निहायत ज़हरीला घटक डायऑक्सिन आज भी वहां की मिट्टी में मौजूद है। डायऑक्सिन के प्रभाव सीधे-सीधे नहीं होते; यह लोगों को सीधे मार डालने की बजाय उनमें कई अन्य बीमारियों का ज़ोखिम बढ़ा देता है। इसके प्रभावों में जन्मजात विकृतियां और तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ियां शामिल हैं।

डायऑक्सिन आसानी से विघटित नहीं होता और लंबे समय तक प्रकृति में मौजूद रहता है। इसके अंश धीरे-धीरे भोजन-पानी में घुलकर शरीर में पहुंचते रहते हैं।

अब कोशिश की जा रही है कि डायऑक्सिन से पीड़ित लोगों को तलाश करके उनको राहत मुहैया कराई जाए। पीड़ितों को पहचानना थोड़ा आसान है क्योंकि यूएस फौज के पास उपलब्ध जानकारी में दर्ज़ है कि एजेंट ऑरेंज का छिड़काव कहां-कहां किया गया था। कम से कम तीन ऐसे इलाके पहचाने गए हैं जहां मिट्टी में डायऑक्सिन की मात्रा प्रति 10 खरब में दस लाख अंश है जबकि सुरक्षित सीमा मात्र 1000 प्रति दस खरब अंश है।

हालांकि यूएस ने अपनी गलती स्वीकार नहीं की है मगर उसने वायदा किया है कि वह 19 हैक्टर के एक क्षेत्र में यह जानने के लिए प्रयोग करेगा कि मिट्टी को डायऑक्सिन मुक्त करना आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से कितना व्यावहारिक है। मिट्टी के उपचार के लिए किया यह जाता है कि मिट्टी को उसकी जगह से निकालकर 350 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म किया जाता है ताकि डायऑक्सिन नष्ट हो जाए। इस परियोजना पर यूएस 430 लाख डॉलर खर्च करने जा रहा है।

टेक्सास साउथवेस्टर्न विश्वविद्यालय के अरनॉल्ड शेक्टर का मत है कि यदि यह विधि बहुत महंगी साबित होती है, तो मिट्टी उपचार के कई अन्य विकल्प उपलब्ध हैं। उनके मुताबिक सबसे सस्ता तरीका तो यह होगा कि इस मिट्टी को निकालकर कचरे के गड्डों में डाल दिया जाए, जबकि सबसे कारगर तरीका मिट्टी को जला देना होगा। पूरे दूषित इलाके पर कॉन्क्रीट बिछा देना या उसके आसपास दीवार खड़ी कर देना जैसे विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। ***(स्रोत फीचर्स)***